

मैदान का आधार, वाइ उच्चारण और घंटियों की ध्वनि, पवई में महिला नेत्रहीन फुटबॉल प्रदर्शनी



मुंबई। गेंद में बजर ... बजर की ओर दौड़ते खिलाड़ी ... अपने साथी की आवाज का अनुमान लगाते हुए पास ... और फिर गोल ... और उत्साह ... नेत्रहीन फुटबॉल मैच थी लेकिन माहौल देखने के बाद हर कोई सोचता होगा कि फुटबॉल खिलाड़ी खेल खेल रहे हैं। लेकिन अगर वही खेल नेत्रहीन खिलाड़ियों द्वारा खेला जाता, तो किसी को विश्वास नहीं होता लेकिन यह सच है। हाल ही में पवई में संपन्न हुए महिला नेत्रहीन फुटबॉल प्रदर्शनी टूर्नामेंट में इंडिया ए टीम ने इंडिया बी टीम को बड़ा झटका दिया है। 1-0 से जीत के लिए शानदार प्रदर्शन। दिलचस्प बात यह है कि यही टीम कोच्चि में होने वाले फुटबॉल मैच में जापान से भिड़ेगी। इसमें 10 पुरुष और 2 महिला टीमों हिस्सा लेंगी।

आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने पवई के महानगरपालिका मैदान में द राइट शॉट द्वारा आयोजित महिला नेत्रहीन फुटबॉल प्रदर्शनी टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टीआरएस के निदेशक एल्विन रॉड्रिक्स और ऑपरेशन हेड संतोष हितने ने मैच का आयोजन किया। इस बार कोच विक्रम और ऋषिकेश के मार्गदर्शन में इंडिया ए टीम में केरेन (तमिलनाडु), दीपाली कांबले (महाराष्ट्र), दीपाली पवार (महाराष्ट्र), कोमल गायकवाड़ (महाराष्ट्र), पद्मिनी तूडु (ओडिशा), शाहिस्ता बेगम (कर्नाटक), सविता वाडिले (महाराष्ट्र) ने 1-0 से जीत दर्ज की। आरसी विजयलक्ष्मी (तमिलनाडु), भाग्यश्री रग्गी (महाराष्ट्र), नीरमा ठाकरदा (गुजरात), मनसा (कर्नाटक), कंचन पटेल (मध्य प्रदेश), आशा चौधरी (गुजरात) ने कोच डियो और राशद के मार्गदर्शन में इंडिया बी टीम के लिए भाग लिया।

30 मिनट तक चले इस मैच में हर कोई इस बात को लेकर उत्सुक था कि कौन गोल करेगा और कौन बाजी मारेगा। श्रृंखला के अंत में, एक महिला खिलाड़ी दीपाली कांबले ने एक गोल किया और टीम को जीत दिलाई। इस मौके पर अनिल गलगली, जसविंदर सिंह बिंदर, राज किरण सिंह, दिनेश देवाडिगा, रवि वर्मा, मधुकर इंगले, रुचिरा इंगले, रियाज मुल्ला मौजूद थे।

टीम के साथी की आवाज को याद रखना जरूरी है और गेंद में घंटी गिराकर खिलाड़ी उस आवाज की ओर दौड़ते हैं। पूरा खेल आपके साथियों की आवाज पर आधारित है। इसमें प्रत्येक खिलाड़ी को लगातार 'Y' शब्द का उच्चारण करना होता है।